SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

ITBP Officer

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी.) एक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल है जो हिमालय की ऊँची चोटियों पर भारत-चीन सीमा की रक्षा करता है। आई.टी.बी.पी. अधिकारी सहायक कमांडेंट के रूप में सैनिकों का नेतृत्व करता है, दुर्गम बर्फीले इलाकों...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/itbp-officer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित

Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी.) एक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल है जो हिमालय की ऊँची चोटियों पर भारत-चीन सीमा की रक्षा करता है। आई.टी.बी.पी. अधिकारी सहायक कमांडेंट के रूप में सैनिकों का नेतृत्व करता है, दुर्गम बर्फीले इलाकों में गश्त, बचाव और आपदा प्रबंधन का काम करता है। यह देशसेवा, साहस और नेतृत्व से भरा करियर है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	स्नातक डिग्री
चयन परीक्षा	यू.पी.एस.सी. सी.ए.पी.एफ.
आरंभिक वेतन	₹56,100/माह से
कार्य-शैली	ऊँचाई वाली सीमा, बाहरी

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- देश की सेवा और सीमा सुरक्षा में रुचि
- लोगों की मदद करना और टीम का नेतृत्व करना
- बाहर और चुनौतीपूर्ण वातावरण में काम करना

क्षमताएँ

- उच्च शारीरिक फिटनेस और सहनशक्ति
- स्पष्ट निर्देश देना और उनका पालन करना
- साहस, अनुशासन और त्वरित निर्णय क्षमता

ज़रूरी कौशल

- पर्वतारोहण और उच्च ऊँचाई पर अभियान कौशल
- खोज, बचाव और आपदा प्रबंधन
- मानचित्र पठन और नौवहन
- शारीरिक और मानसिक दृढ़ता
- हथियार संचालन और युद्ध प्रशिक्षण
- नेतृत्व और टीम प्रबंधन
- प्राथमिक चिकित्सा और उत्तरजीविता कौशल

4 कैसे पहुँचें

1. किसी भी विषय में मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री पूरी करें।
2. अधिकारी बनने के लिए यू.पी.एस.सी. सी.ए.पी.एफ. (सहायक कमांडेंट) परीक्षा दें।
3. लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता, चिकित्सा और साक्षात्कार के चरण पास करें।
4. आयु सीमा (सामान्यतः 20–25 वर्ष) और शारीरिक मानकों की जाँच करें; आरक्षित वर्गों को छूट।
5. मसूरी स्थित आई.टी.बी.पी. अकादमी में अधिकारी प्रशिक्षण पूरा करें।
6. वैकल्पिक रूप से कांस्टेबल स्तर पर एस.एस.सी. जी.डी. के माध्यम से भर्ती हो सकते हैं।

प्रमुख परीक्षाएँ

- यू.पी.एस.सी. सी.ए.पी.एफ. (सहायक कमांडेंट)
- एस.एस.सी. जी.डी. कांस्टेबल

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- किसी भी यू.जी.सी.-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा महाविद्यालय से स्नातक — सी.ए.पी.एफ. सहायक कमांडेंट परीक्षा स्नातक स्तर की है — डिग्री किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से हो सकती है, किसी विशेष कॉलेज की आवश्यकता नहीं।

निजी संस्थान

- SSB and physical training institutes — प्रमुख शहर

ऑनलाइन

- SWAYAM / NPTEL — ऑनलाइन (https://swayam.gov.in/)
- CAPF AC preparation platforms — ऑनलाइन
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

स्नातक डिग्री तक की पढ़ाई की फीस संस्थान के अनुसार लगभग ₹6,000 से ₹10,00,000 तक हो सकती है। आई.टी.बी.पी. अकादमी में अधिकारी प्रशिक्षण सरकारी होता है और चयन के बाद वजीफा मिलता है। (आँकड़े अनुमानित हैं और बदल सकते हैं।)

छात्रवृत्तियाँ

- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in)
- Buddy4Study (https://www.buddy4study.com)
- Vidya Lakshmi (education loans) (https://www.vidyalakshmi.co.in)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

आई.टी.बी.पी. लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक 3,488 किमी लंबी भारत-चीन सीमा की रक्षा करता है। अधिकारी 60 से अधिक बटालियनों, सेक्टरों और फ्रंटियर मुख्यालयों में तैनात होते हैं, अक्सर ऊँची और दूरस्थ चौकियों पर।

कार्य-संस्कृति

काम अनुशासित और चुनौतीपूर्ण होता है — प्रतिदिन लगभग 8–9 घंटे, शिफ्ट प्रणाली में, अधिकतर बाहर। कठोर मौसम और ऊँचाई में सेवा करनी पड़ती है, लेकिन साथ में मजबूत टीम भावना और गर्व का भाव रहता है।

कौन नौकरी देता है

- भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी.)
- राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एन.डी.आर.एफ.)
- विशेष सुरक्षा और वी.आई.पी. सुरक्षा इकाइयाँ
- गृह मंत्रालय, भारत सरकार
- अन्य केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (बी.एस.एफ., सी.आर.पी.एफ.)
- संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन (प्रतिनियुक्ति)

माँग (2026)

सीमा सुरक्षा की बढ़ती आवश्यकता के कारण आई.टी.बी.पी. में अधिकारियों और जवानों की स्थिर माँग बनी रहती है। नियमित यू.पी.एस.सी. सी.ए.पी.एफ. और एस.एस.सी. जी.डी. भर्तियों के माध्यम से हर साल नई नियुक्तियाँ होती हैं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. सहायक कमांडेंट
2. उप कमांडेंट
3. कमांडेंट
4. उप महानिरीक्षक (डी.आई.जी.)

5 महानिरीक्षक (आई.जी.)

6 अतिरिक्त महानिदेशक (ए.डी.जी.)

7 महानिदेशक (डी.जी.)

कमाई

शुरुआत	₹56,100 (मूल, लेवल-10)
मध्य स्तर	₹78,800–1,31,100/month
वरिष्ठ स्तर	₹1,44,200–2,25,000/month

शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है — पे मैट्रिक्स लेवल 10 का आरंभिक मूल वेतन — ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। सहायक कमांडेंट वेतन मैट्रिक्स स्तर-10 (₹56,100) से शुरू होता है; भत्तों के साथ कुल राशि अधिक होती है। ऊँचाई और कठिन क्षेत्र भत्ते अलग से मिलते हैं। (आँकड़े अनुमानित हैं और बदल सकते हैं।) ऊपर दिए गए आँकड़े सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 16 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत कर दी थीं और आयोग को अपने गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। आयोग ने अभी रिपोर्ट नहीं दी है, इसलिए नया वेतनमान अभी तय नहीं है — पर यह तय है कि ये आँकड़े आगे बदलेंगे। महँगाई भत्ता 1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60% है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- स्थिर सरकारी नौकरी, अच्छा वेतन और पेंशन लाभ।
- देशसेवा का गौरव और समाज में सम्मान।
- पर्वतारोहण, नेतृत्व और साहसिक कार्यों के अवसर।

चुनौतियाँ

- ऊँचाई और कठोर मौसम में शारीरिक रूप से कठिन जीवन।
- परिवार से दूर, दूरस्थ चौकियों पर लंबी तैनाती।
- जोखिम और आपातकालीन ड्यूटी का दबाव।

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Prakriti
सहायक कमांडेंट, आई.टी.बी.पी. (पहली महिला युद्धक अधिकारी)

समस्तीपुर, बिहार की प्रकृति ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक करने के बाद 2016 में पहले ही प्रयास में यू.पी.एस.सी. सी.ए.पी.एफ. परीक्षा पास की। सरकार द्वारा महिलाओं के लिए युद्धक भूमिका खोले जाने पर उन्होंने आई.टी.बी.पी. को अपनी पहली पसंद चुना और बल की पहली महिला युद्धक अधिकारियों में शामिल हुईं।

The Hans India · https://www.thehansindia.com/posts/index/National/2018-03-07/Meet-Prakriti-ITBPs-first-woman-officer-in-combat-role/364208/

Aparna Kumar
डी.आई.जी., आई.टी.बी.पी. और पर्वतारोही

आई.पी.एस. अधिकारी अपर्णा कुमार आई.टी.बी.पी. में सेवारत हैं और 'सेवन समिट्स' (सातों महाद्वीपों की सर्वोच्च चोटियाँ) तथा दोनों ध्रुवों को फतह करने वाली पहली भारतीय महिला हैं। 2016 में उन्होंने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की। उनकी कहानी दिखाती है कि आई.टी.बी.पी. उच्च ऊँचाई और साहसिक अभियानों में महिलाओं के लिए भी अवसर देता है।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Aparna_Kumar

Ratan Singh Sonal
आईटीबीपी अधिकारी (सेकंड-इन-कमांड) एवं पर्वतारोही

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के पहाड़ी गाँव से निकले रतन सिंह सोनल ने आईटीबीपी में भर्ती होकर दुनिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट को दो बार (2009 और 2019 में) फतह किया, साथ ही धौलागिरी जैसी कठिन चोटियाँ भी। एक अभियान दल का नेतृत्व करते हुए उन्होंने 21,000 फुट की ऊँचाई पर 'ऑपरेशन डेयरडेविल' के तहत नंदा देवी के पास फँसे विदेशी पर्वतारोहियों के शव निकाले। साधारण पृष्ठभूमि से आए इस जांबाज़ अधिकारी की कहानी बताती है कि लगन और हौसले से हिमालय की सबसे ऊँची चुनौतियाँ भी जीती जा सकती हैं।

Daijiworld · https://daijiworld.com/news/newsDisplay?newsID=603796

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) अधिकारी
- एस.एस.बी. अधिकारी
- अग्निवीर

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर मार्गदर्शन पोर्टल — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%86%e0%a4%88-%e0%a4%9f%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a5%80-%e0%a4%85%e0%a4%a7%e0%a4%bf%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-itbp-officer/

2. आई.टी.बी.पी. आधिकारिक वेबसाइट — https://itbpolice.nic.in/

3. यू.पी.एस.सी. आधिकारिक वेबसाइट — https://upsc.gov.in/

4. एस.एस.सी. आधिकारिक वेबसाइट — https://ssc.gov.in/

5. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in